संज्ञा

संज्ञा की परिभाषा एवं प्रकार

संज्ञा- किसी प्राणी , वस्तु , स्थान , भाव , आदि के नाम को संज्ञा कहते है।

जैसे – मेज , बस , पुस्तक , मोहन , मेघनगर आदि।

उदाहरण - **दिल्ली भारत की राजधानी है।**

संज्ञा को निम्नलिखित पांच भागों में बांटा गया है।

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा**
2. **जातिवाचक संज्ञा**
3. **समुहवाचक संज्ञा**
4. **द्रववाचक संज्ञा**
5. **भाववाचक संज्ञा**

1 **<u>व्यक्तिवाचक संज्ञा –</u>** जो संज्ञा किसी व्यक्ति या स्थान का बोध करती हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते है।

उदाहरण – मीरा , यमुना , मुंबई ।

2 **<u>जातिवाचक संज्ञा</u>** – किसी नाम से उसकी जाति का बोध होता है , उसे जातिवाचक संज्ञा कहते है।

उदाहरण – गांव , पशु , मनुष्य ।

3 **<u>समुहवाचक संज्ञा</u>** – जिस संज्ञा से पुरे समुदाय या समुह का बोध हो ,उसे समुहवाचक संज्ञा कहते है।

उदाहरण – भीड़ , गुच्छा।

4 <u>द्रववाचक संज्ञा</u> – जब संज्ञा तरल अवस्था मे हो जिसकी गिनती संभव नहीं हो सकती हैं, उसे द्रववाचक संज्ञा कहते है।

उदाहरण – सोना बहुत महंगा हैं।

5 <u>भाववाचक संज्ञा</u> – संज्ञा जिसका कोई रूप या आकर नहीं होता है, उसके गुण का केवल आभास किया जा सके उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण – वह बहुत ईमानदार हैं।